

**2 | फरीदाबाद**बरेली का परिषाम है करोड़ सफेरी  
से कर्वी असामी सड़कों के गढ़**6 | अभिमत**पटे लोकालय की  
सुखा जली**9 | देश/विदेश**बात के उन्हें मैं प्रीतिमिली का  
सामान साक्ष तो : बासीक**11 | टींटर्स**जांच की सुधारा हो गई  
ग्रामक नासुन

RN NO. HARHN/2018/75104

पृष्ठ 30

परिवार, बुजान, 30 नवंबर, 2022

पृष्ठ 11, पृष्ठ 3 वर्षों

ना बदला



परिवार, नई दिल्ली, लालकड़ और गांधी से प्रकाशित

इं-पेपर [www.pioneerhindi.com](http://www.pioneerhindi.com) पर पढ़िए। [YouTube](https://www.youtube.com/channel/UCMzXmBkAaIwvLJyfjDg) मरम्भकाइबर करें Pioneer Haryana

आखिरे बनडे में  
बारिश न पड़ने की  
दृश्य कोणा भारत

पैज - 12

## संगोष्ठी का किया आयोजन



**फरीदाबाद।** अप्रवाल महाविद्यालय बल्लमगढ़ में महिला प्रकोष्ठ द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मुक्ति दिवस के उपलक्ष में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। महाविद्यालय प्राचार्य द्वा. कृष्णकात गुप्ता की सदृशरण से महाविद्यालय में अनेकानेक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। स्वतंत्रता संघरण के प्रभारी द्वा. संबोध गुप्ता के यार्डरॉन में यह व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्दरश्य छात्राओं को उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों के साथ-साथ स्वर्ण कौशलों को सुरक्षा कैसे बोलें? इस विषय में जागरूक करना था। अतिथि व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में इंस्टेक्टर संविता एवं एडवोकेट संगीता रावत उपस्थित ही हैं। कार्यक्रम का आरंभ मध्य सिंगला द्वारा किया गया। तत्पश्चात महिला प्रकोष्ठ की सचिवालय एवं हिंदौ विभागाध्यक्ष द्वा. रेनु माहेश्वरी ने पुष्प गुच्छ द्वारा अतिथियों का सम्मान करते हुए उन्हें व्याख्यान के लिए अप्रिंत किया। एडवोकेट संगीता रावत ने गार्ववनिक महलों पर पहिलाओं के साथ छेड़खानी एवं अन्न प्रकार की हिस्सा पर लाग धाराओं के प्रावधान के बारे में विस्तृत पूर्वक चर्चा की। इंस्टेक्टर संविता ने आभासी पाठ्यपत्र द्वारा छात्राओं को स्वर्ण की सुरक्षा के लिए एवं समकार द्वारा बनाए गए नियमों, कानूनों व विषय परिवर्थितियों में सहायता के लिए पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112 और 1015 के बारे में बताया। इस व्याख्यान में सत्राक एवं स्नातकोत्तर को 82 छात्राओं ने भाग लिया और प्रस्तोता के पाठ्यपत्र से अपनी विज्ञानाओं का समाधान किया। हिंदौ विभागाध्यक्ष द्वा. रेनु माहेश्वरी एवं हिंदौ महायक प्रवक्ता श्रीमती मधु सिंगला के प्रयासों से यह व्याख्यान सफल और सार्थक सिद्ध हुआ।